Literacy for a Billion

Movie: Dahek
Year: 1999

Song: Saawan Barse Tarse Dil
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

सावन बरसे तरसे दिल
क्यों ना निकले घर से दिल
बरखा में भी दिल प्यासा है
ये प्यार नहीं तो क्या है
देखो कैसा बेक़रार
है भरे बज़ार में
यार एक यार के
इंतज़ार में

सावन बरसे तरसे दिल
क्यों ना निकले घर से दिल
बरखा में भी दिल प्यासा है
ये प्यार नहीं तो क्या है
देखो कैसा बेक़रार
है भरे बज़ार में
यार एक यार के
इंतज़ार में

इक मोहब्बत का दीवाना
ढूँढ़ता सा फिरे
कोई चाहत का नज़राना
दिलरुबा के लिए
हो ...
इक मोहब्बत का दीवाना
ढूँढ़ता सा फिरे
कोई चाहत का नज़राना
दिलरुबा के लिए
छम छम चले पागल पवन
आए मज़ा भीगे बलम
भीगे बलम
फिसले क़दम
बरखा बहार में

एक हसीना इधर देखो
कैसी बेचैन है
रास्ते पर लगे कैसे
उसके दो नैन हैं
हो ...
एक हसीना इधर देखो
कैसी बेचैन है
रास्ते पर लगे कैसे
उसके दो नैन हैं

सच पूछिए तो मेरे यार
दोनों के दिल बेइख़्तियार
बेइख़्तियार है पहली बार
पहली बहार में

सावन बरसे तरसे दिल
क्यों ना निकले घर से दिल
बरखा में भी दिल प्यासा है
ये प्यार नहीं तो क्या है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.